भारत सरकार
श्रम और रोजगार मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या-1299
सोमवार, 11 फरवरी, 2019/22 माघ, 1940 (शक)

नौकरियां समाप्त होने संबंधी सूचना

1299. श्री ज्योतिरादित्य माधवराव सिंधियाः
कुमारी सुष्मिता देवः

क्या श्रम और रोजगार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार के पास विगत तीन वर्षों के दौरान देश में रिपोर्ट किए गए विभिन्न क्षेत्रों में नौकरियां समाप्त होने के संबंध में कोई आधिकारिक और प्रमाणित जानकारी है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और ऐसी नौकरियां समाप्त होने के लिए कौन से कारक जिम्मेदार हैं;

(ग) क्या वस्त्र, बैंकिंग, बुनियादी ढांचा, सूचना प्रौद्योगिकी और यहां तक कि संगठित क्षेत्र में भी नौकरियां समाप्त होने के कारण बुरी तरह प्रभावित हुए हैं; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी तथ्य और ब्यौरा क्या है और सरकार द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में नौकरी के समाप्त होने की समस्या को प्रभावी तरीके से हल करने के लिए क्या रणनीतियां तैयार की गयी हैं?

उत्तर
श्रम और रोजगार राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(श्री संतोष कुमार गंगवार)

(क) से (घ): श्रम ब्यूरो, जो श्रम एवं रोजगार मंत्रालय का एक संबद्ध कार्यालय है, ने आठ चुनिंदा श्रम-गहन और निर्यातोन्मुख क्षेत्रों, नामतः वस्त्र, चमड़ा, धातु, ऑटोमोबाइल, रत्न एवं आभूषण, परिवहन, आईटी/बीपीओ एवं हथकरघा/पावरलूम, में तिमाही त्वरित रोजगार सर्वेक्षण किए। 2013 से 2015 के दौरान इन 8 क्षेत्रों में रोजगार में हुई वृद्धि अनुबंध-। में दी गई है।

वर्ष 2016 के दौरान तिमाही त्वरित रोजगार सर्वेक्षण के दायरे में और-अधिक संगठित उद्योगों/क्षेत्रों को शामिल करते हुए इसमें सुधार किया गया है। ये आठ व्यापक संगठित क्षेत्र हैं, विनिर्माण, निर्माण, व्यवसाय, परिवहन, आवास एवं रेस्तंरा, आईटी/बीपीओ, शिक्षा एवं स्वास्थ्य। जुलाई, 2016 से अक्तूबर, 2017 तक इन आठ क्षेत्रों में रोजगार में हुए परिवर्तन को अनुबंध-।। में दिया गया है।

नियोजनीयता में सुधार करते हुए रोजगार का सृजन करना सरकार की प्राथमिकता रही है। सरकार इस दिशा में पर्याप्त निवेश वाली विभिन्न परियोजनाओं को गति प्रदान करने और प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी), महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (एमजीएनआरईजीएस), पं. दीन दयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजना (डीडीयू-जीकेवाई) तथा दीनदयाल अंत्योदय योजना - राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन (डीएवाई-एनयूएलएम) जैसी योजनाओं पर सार्वजनिक व्यय में वृद्धि करने जैसे विभिन्न कार्यक्रम कार्यान्वित कर रही है।

सरकार ने स्व-रोजगार को सुकर बनाने के लिए प्रधानमंत्री मुद्रा योजना (पीएमएमवाई) आरंभ की है। पीएमएमवाई के अंतर्गत लघु/सूक्ष्म व्यापरिक उद्यमों तथा व्यक्तियों को अपने व्यापारिक कार्यकलापों को स्थापित करने अथवा विस्तार करने में समर्थ बनाने के लिए 10 लाख रुपए तक का गैर-जमानती ऋण प्रदान किया जाता है। इस योजना के अंतर्गत 25 जनवरी, 2019 तक कुल 15.59 करोड़ ऋण संस्वीकृत किए गए हैं।

श्रम और रोजगार मंत्रालय द्वारा रोजगार सृजन को बढ़ावा देने हेतु नियोक्ताओं को प्रोत्साहित करने के लिए प्रधान मंत्री रोजगार प्रोत्साहन योजना (पीएमआरपीवाई) आरंभ की गई है। इस योजना के तहत, सरकार सभी क्षेत्रों के समस्त पात्र नए कर्मचारियों हेतु तीन वर्षों के लिए ईपीएफ एवं ईपीएस के नियोक्ता के संपूर्ण अंशदान (12% अथवा यथा-स्वीकार्य) का भुगतान कर रही है। 28.01.2019 तक, इस योजना के अंतर्गत 1.30 लाख प्रतिष्ठानों के माध्यम से 1.05 करोड़ से अधिक कर्मचारियों को लाभांवित किया गया है।

प्रधान मंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई) कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्रालय (एमएसडीई) की फ्लैगशिप योजना है। इस कौशल प्रमाणीकरण योजना का उद्देश्य बड़ी संख्या में भारतीय युवाओं को उद्योग-संगत कौशल प्रशिक्षण प्राप्त करने योग्य बनाना है, जो बेहतर आजीविका प्राप्त करने में उनकी सहायता करेगा।

श्रम और रोजगार मंत्रालय प्रौद्योगिकी का प्रयोग करते हुए देश में रोजगार सेवाओं के रूपांतरण हेतु रोजगार चाहने वालों के लिए और-अधिक रोजगार के अवसर सृजित करने हेतु राष्ट्रीय आजीविका सेवा परियोजना (एनसीएसपी) का कार्यान्वयन कर रहा है।

अनुबंध-I

नौकरियां समाप्त होने संबंधी सूचना के संबंध में लोक सभा के दिनांक 11.02.2019 के अतारांकित प्रश्न संख्या 1299 के भाग (क) से (घ) के उत्तर में उल्लिखित विवरण

श्रम ब्यूरो द्वारा आयोजित तिमाही त्वरित रोजगार सर्वेक्षणों के अनुसार 8 प्रमुख क्षेत्रों में रोजगार में वृद्धि

(लाख में)

क्र.सं.	उद्योग/समूह	जन.,13 से दिस.,13	जन.,14 से दिस.,14	जन.,15 से दिस.,15	कुल
1	2	3	4	5	6
1	कपड़ा	2.86	1.41	0.72	4.99
2	चमड़ा	0.44	-0.07	-0.08	0.29
3	धातु	-0.35	0.74	0.37	0.76
4	ऑटोमोबाइल	0.16	0.25	-0.08	0.33
5	रत्न एवं आभूषण	0.09	0.11	-0.19	0.01
6	परिवहन	-0.09	-0.11	-0.04	-0.24
7	आईटी / बीपीओ	1.09	1.93	0.76	3.78
8	हथकरघा / पावरलूम	-0.02	-0.05	-0.11	-0.18
कुल (वर्ष वार)		4.18	4.21	1.35	9.74

*स्रोतः श्रम ब्यूरो

अनुबंध-।।

नौकरियां समाप्त होने संबंधी सूचना के संबंध में लोक सभा के दिनांक 11.02.2019 के अतारांकित प्रश्न संख्या 1299 के भाग (क) से (घ) के उत्तर में उल्लिखित विवरण

श्रम ब्यूरो द्वारा आयोजित त्वरित तिमाही रोजगार सर्वेक्षणों के अनुसार आठ क्षेत्रों में रोजगार में क्षेत्र-वार परिवर्तन

(लाख में)

क्र.सं.	क्षेत्र	1 अप्रैल, 2016 को स्तर अनुमान	1 अप्रै. 16 की तुलना में 1 जुला., 16	1 जुला. 16 की तुलना में 1 अक्तू., 16	1 अक्तू. 16 की तुलना में 1 जन. 17	1 जन., 17 की तुलना में 1 अप्रै., 17	1 अप्रै., 17 की तुलना में 1 जुला., 17	1 जुलाई, 17 की तुलना में 1 अक्तूबर, 17
1	विनिर्माण	101.17	-0.12	0.24	0.83	1.02	-0.87	0.89
2	निर्माण	3.67	-0.23	-0.01	-0.01	0.02	0.10	-0.22
3	व्यापार	14.45	0.26	-0.07	0.07	0.29	0.07	0.14
4	परिवहन	5.8	0.17	0.00	0.01	0.03	-0.03	0.20
5	आवास और रेस्तरां	7.74	0.01	-0.08	0.00	0.03	0.05	0.02
6	आईटी/बीपीओ	10.36	-0.16	0.26	0.12	0.13	0.02	0.01
7	शिक्षा	49.98	0.51	-0.02	0.18	0.02	0.99	0.21
8	स्वास्थ्य	12.05	0.33	0.00	0.02	0.31	0.31	0.11
	कुल	205.22	0.77	0.32	1.22	1.85	0.64	1.36

*स्रोतः श्रम ब्यूरो